कही डूब जाऊ न

कही डूब जाऊ न अब लगा दो तुम किनारा
मजधार में फसी है नैया साईं तू ही सहारा
कही डूब जाऊ न अब लगा दो तुम किनारा

दर दर भटक रहा हु बाबा अब कितना भटकाओ गे
आखिर में मेरे बाबा कब तक मंजिल तक पोह्चाओ गे
हस्ती है मुझपे दुनिया साईं तेरा ही सहारा
कही डूब जाऊ न अब लगा दो तुम किनारा

बिगड़ी पल भर में बनाये जीवन को चमकाता है
बिगड़ी भाग रेखा को साईं पल भर में सजाता है
मेरी बिगड़ी बना दो हां बाबा तुझको है पुकारा
कही डूब जाऊ न अब लगा दो तुम किनारा

मैं बहुत बेबस हु बाबा मैं बहुत लाचार है
दुःख ने एसा तांडव किया है तन मन से बीमार हु
सुनील तिवाड़ी चन्दन तेरे बेटे ने पुकारा
कही डूब जाऊ न अब लगा दो तुम किनारा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16846/title/kahi-dubh-jaau-na

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |